BSES

विंटर ऐक्शन प्लानः

सर्दियों में 5480 मेगावॉट हो सकती है दिल्ली में बिजली की डिमांड

ठंड में सुचारू बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस की तैयारियां पूरी

नई दिल्लीः 9 नवंबर। इस बार सर्दियों में दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 5480 मेगावॉट तक पहुंच सकती है। बीआरपीएल इलाके में बिजली की मांग 2192 मेगवॉट और बीवाईपीएल क्षेत्र में 1268 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है।

पिछले साल ठंड के महीनों में राजधानी में बिजली की पीक डिमांड 5343 मेगावॉट पहुंची थी। बीआरपीएल क्षेत्र में बिजली की मांग 2020 मेगावॉट थी, जबकि बीवाईपीएल इलाके में डिमांड 1165 मेगावॉट थी।

सर्दियों में पीक पावर डिमांड	**दिल्ली**	**बीआरपीएल**	**बीवाईपीएल**
2020–21 अनुमानित	5480 मेगावॉट	2192 मेगावॉट	1268 मेगावॉट
2019–20	5343 मेगावॉट	2020 मेगावॉट	1165 मेगावॉट
2018–19	4472 मेगावॉट	1926 मेगावॉट	1091 मेगावॉट
2017–18	4511 मेगावॉट	1888 मेगावॉट	1136 मेगावॉट
2016–17	4168 मेगावॉट	1758 मेगावॉट	1259 मेगावॉट
2016–17	4125 मेगावॉट	1835 मेगावॉट	1080 मेगावॉट

बीएसईएस ने बिजली की पीक डिमांड को पूरा करने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। ठंड के महीनों में बिजली की सुचारू आपूर्ति के लिए, बिजली के पर्याप्त इंतजाम कर लिए गए हैं। लॉन्ग टर्म आधार पर बिजली खरीद समझौतों के तहत, बीएसईएस को पीक डिमांड के हिसाब से पर्याप्त बिजली मिलेगी।

विभिन्न पावर प्लांटों से लॉन्ग टर्म आधार पर बिजली मिलने के अलावा, बीएसईएस को 190 मेगावॉट से अधिक बिजली विंड पावर प्लांटों से मिलेगी, जबकि 70 मेगावॉट बिजली सोलर पावर प्लांटों से और 25 मेगावॉट बिजली कचरे के प्लांटों से मिलेगी। इसके अलावा, बीएसईएस उपभोकताओं के घरों की छतों पर भी 90 मेगावॉट बिजली की उत्पादन करने की क्षमता है। वहां से भी बीएसईएस को बिजली मिलेगी। पावर बैंकिंग मॉड्यूल के तहत भी दिसंबर से फरवरी माह के दौरान अतिरिक्त बिजली मिलेगी।

अत्याधुनिक तकनीकों की बदौलत बीएसईएस अब बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगा सकती है। इसके लिए, लोड फोरकास्टिंग सिस्टम के अलावा मॉडलिंग तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिचित करने में ये तकनीकें काफी मददगार साबित होंगी।

लोड फोरकास्टिंग सिस्टम की मदद से बीएसईएस अब तीन स्तरों पर बिजली की डिमांड का करीब–करीब सटीक अनुमान लगा पाने में सक्षम होगी। कल बिजली की क्या मांग रहने वाली है, इसका पता लगाया जा सकता है। यह भी जाना जा सकता है कि परसों बिजली की क्या डिमांड होगी। इसके अलावा, इसका भी कैलकुलेशन किया जा सकता है कि अगले एक साल में बिजली की मांग में कितना उछाल आने की संभावना है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, चूंकि दिल्ली में बिजली की डिमांड के उतार–चढ़ाव में मौसम की बड़ी भुमिका होती है, इसलिए बिजली की मांग का अनुमान लगाते वक्त वेदर फोरकास्टिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कल का मौसम कैसा रहेगा, बारिश होगी, तापमान गिरेगा या बढ़ेगा, हवा की गति कैसी रहेगी, आदि। बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ले रही है। इन तकनीकों के इस्तेमाल से बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाकर उपभोक्ताओं को बिजली की सुचारू आपूर्ति करने में मदद मिलेगी।

बीएसईएस ने सर्दियों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, अभी से ही गर्मियों की तैयारियां भी शुरू कर दी है। इसके लिए पावर बैंकिंग मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है। बीएसईएस सर्दियों में कुछ ठंडे प्रदेशों को बिजली देगी और बदले में, वे ठंडे प्रदेश गर्मियों में बीएसईएस को बिजली वापस करेंगे, जिसका फायदा उपभोक्ताओं को गर्मियों में मिलेगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....